

ब्याह लाये सिया जी को राम
 सिया जी को राम
 पुरी में आनंद भयो

आनंद भयो _{ssss} आनंद भयो - आनंद भयो भगवान
 पुरी में ----- ब्याह -----

माता कौशल्या पूँहन लगी, गुरु आश्रम की बात
 किस विधि मारे - मारीच - सुबाहु ॥२॥ हमें समझाओ तात
 पुरी में ----- ब्याह लाये -----

विधि वत यह हुआ नही रोका, हुआ सभी को ज्ञान
 कई बाण लक्ष्मन ने मारे ॥२॥ मैया तरे हाथ भगवान
 पुरी में ----- ब्याह लाये -----

मारण में इक सिला मिली, और देख रुके प्रभुराम
 दुसल सिला भई नार अमृषि बधु ॥२॥ पहुँचा ही देवधाम
 पुरी में ----- ब्याह लाये -----

गये गुरुसंग जनकपुरी, और बैठे गुरु के साथ
 गुरु आज्ञा से धनुष को तोड़ा ॥२॥ लाये जानकी साथ
 पुरी में----- ब्याह लाये---

अवधपुरी आनंद मनावे, कोई नाँचे कोई गावे
 पुरनर-नारी करें आरती ॥२॥ दास "श्रीबाबा श्री" गुन गावे
 पुरी में----- ब्याह लाये-----

आनंद भयो... आनंद भयो....
 पुरी में----- ब्याह लाये-----